दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्ष :-04
अंक:-292
मुरादाबाद
13 February 2025
(Thursday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति ने की यूनानी चिकित्सा पद्धति की सराहना, कहा– दवा उत्पादन के मामले में भारत अग्रणी

नई दिल्ली में यूनानी दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एकीकृत स्वास्थ्य समाधान के लिए यूनानी चिकित्सा में नवाचार- एक नई दिशा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन हकीम अजमल खान को याद करने का अवसर है। कीम अजमल खान ने भारत में यूनानी चिकित्सा पद्धति का प्रसार किया।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को यूनानी चिकित्सा पद्धति की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य देखभाल और यूनानी प्रणाली की दवाओं के उत्पादन के मामले में दुनिया में अग्रणी है। नई दिल्ली में यूनानी दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एकीकृत स्वास्थ्य समाधान के लिए यूनानी चिकित्सा में नवाचार- एक नई दिशा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन हकीम अजमल खान को याद करने का अवसर है।

उनके सम्मान में 2016 से इस दिन को यूनानी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हकीम अजमल खान ने भारत में यूनानी चिकित्सा पद्धति का प्रसार किया। उन्होंने नवाचार के कई उदाहरण प्रस्तुत किए। उनके प्रयासों के कारण भारत में यूनानी चिकित्सा पद्धति को व्यापक रूप से अपनाया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य सेवा और यूनानी पद्धति में दवाओं के निर्माण के मामले में दुनिया में अग्रणी है।

उन्होंने खुशी जताई कि यूनानी पद्धति से जुड़े शोधकर्ता, चिकित्सक आधुनिक पद्धतियों और प्रौद्योगिकी के उपयोगी आयामों को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि सम्मेलन में यूनानी चिकित्सा में साक्ष्य आधारित आधुनिक शोध प्रवृत्तियों और आयुष/पारंपरिक चिकित्सा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग- संभावनाएं और चुनौतियां जैसे समकालीन विषयों पर चर्चा होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश ने स्वास्थ्य के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों को उचित सम्मान देकर उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के अनुसार यूनानी सहित आयुष चिकित्सा प्रणालियों को मुख्यधारा में लाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए बने राष्ट्रीय आयोग के निर्देशन में यूनानी चिकित्सा के अनेक शिक्षण संस्थानों में अध्ययन और शोध कार्य चल रहा है। यूनानी मेडिकल कॉलेजों में एमडी और पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने वाली नई पीढ़ियां ज्ञान और अनुभव की प्राचीन विरासत को मजबूत बनाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री हिमंत ने की सिंगापुर के राष्ट्रपति से मुलाकात; विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

हिमंत बिस्व सरमा ने 2022 में षणमुगरत्नम की असम यात्रा को भी याद किया और इससे जुड़ी कई बातों को साझा किया। बाद में सरमा ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की और चर्चा भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत विदेशी राष्ट्र के साथ असम के मौजूदा संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित रही।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम से मुलाकात की। इस दौरान एशियाई देश के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सिंगापुर की दो दिवसीय यात्रा पर गए सीएम सरमा ने षणमुगरत्नम से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों, विशेष रूप से आगामी 'एडवांटेज असम 2.0 निवेश शिखर सम्मेलन' को लेकर चर्चा की।उन्होंने कहा, %आज सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम से मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। उद्योग से जुड़े लोगों के साथ मुलाकात की और संभावित सहयोग पर चर्चा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने कहा कि सरमा ने सिंगापुर सरकार के स्वामित्व वाली कंसल्टेंसी कंपनी सुरबाना जुरोंग के वरिष्ठ अधिकारी लो चेर एक से भी मुलाकात की और असम में जारी परियोजनाओं पर चर्चा की। 'एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन' 25-26 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा।

बजट पर चर्चा: वित्त मंत्री ने ममता सरकार पर साधा निशाना, कहा– TMC ने बंगाल में भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया

लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस शासित राज्य में मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट पर चर्चा के दौरान पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तृणमूल ने राज्य में भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दे दिया है। उन्होंने कहा कि तृणमूल ने संस्थानों को बर्बाद कर दिया है और वह शोषण का पर्याय बन चुकी है। लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस शासित राज्य में मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है। आम लोगों की कीमत पर इसके कार्यकर्ता फल-फूल रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, यह विडंबना है कि तृणमूल कांग्रेस जो खुद को जमीनी स्तर पर आधारित पार्टी बताती है। अब लोगों का शोषण और उनके अधिकारों को छीनने का प्रतीक बन गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आवास योजना को 2016-17 से लागू किया जा रहा है और केंद्र सरकार ने इस योजना के तहत 25,798 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इस योजना के तहत अपात्र परिवारों को घर आवंटित करने की शिकायतें मिली हैं।उन्होंने कहा कि मनरेगा में भी भ्रष्टाचार की शिकायतें मिली हैं। मनरेगा के तहत 25 लाख फर्जी जॉब कार्ड बनाए गए हैं। लोगों के लिए आवंटित धन टीएमसी के कार्यकर्ताओं द्वारा लूटी जा रही है। उन्होंने कहा, टीएमसी ने हम पर वित्तीय नाकेबंदी के आरोप लगाए हैं। लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया है, संस्थानों को खत्म कर दिया है और तृणमूल शोषण का पर्याय बन गई है।%मिड-डे मील घोटाला में हुआ%-भ्रष्टाचार के अन्य उदाहरणों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 100 करोड़ रुपये का मिड-डे मील घोटाला हुआ है। पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था की खराब सेहत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूंजी निर्माण 2010 में 6.7 प्रतिशत से गिरकर हाल के वर्षों में 2.9 प्रतिशत पर आ गया है। यह निवेश के प्रति आपकी शत्रुता का सीधा परिणाम है। राज्य में न तो नौकरियां हैं, न ही कारखाने हैं और न ही कोई दूरदृष्टि है। उन्होंने कहा कि एक समय भारत का औद्योगिक केंद्र (1947 में औद्योगिक उत्पादन में 24 प्रतिशत की हिस्सेदारी) बंगाल अब 2021 में 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ विनिर्माण में बहुत पीछे है। बंगाल की प्रति व्यक्ति आय वृद्धि 20 वर्षों से राष्ट्रीय औसत से पीछे है। 2021-22 में 23वें स्थान पर पहुंच गई।

अब रेंट एग्रीमेंट की भी होगी रजिस्ट्री.. रजिस्टर्ड एग्रीमेंट पर लिखी शर्तें ही होंगी कानूनी रूप से मान्य

उत्तर प्रदेश में अब रेंट एग्रीमेंट की भी रजिस्ट्री होगी। रजिस्टर्ड एग्रीमेंट पर लिखी शर्तें ही कानूनी रूप से मान्य होंगी। कोर्ट में दावा भी केवल रजिस्टर्ड एग्रीमेंट पर ही चलेगा। संपत्ति की सुरक्षा के लिए रेंट एग्रीमेंट की रजिस्ट्री को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए स्टाम्प शुल्क बेहद कम रखा जाएगा। एक वर्ष से ज्यादा के रेंट एग्रीमेंट पर न्यूनतम स्टाम्प शुल्क 500 रुपये से अधिकतम 20 हजार रुपये तक होगा। इसी के साथ रजिस्टर्ड एग्रीमेंट में लिखी शर्तें ही कानूनी रूप से मान्य होंगी, जिन पर कोर्ट में दावा किया जा सकेगा। इससे जुड़ा प्रस्ताव जल्द कैबिनेट में पेश किया जाएगा।स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि इससे मकान मालिक और किरायेदारी से जुड़े विवादों में भी कमी आएगी। वर्तमान में किराये और अवधि के हिसाब से स्टाम्प शुल्क तय होता है।किरायेनामे को पंजीकृत कराने से मकान मालिक और किरायेदार दोनों का हित सुरक्षित रहेगा। पंजीकरण कराने के बाद एग्रीमेंट में लिखी शर्तों की ही कानूनी मान्यता होगी। रजिस्टर्ड एग्रीमेंट पर लिखी शर्तें ही होंगी कानूनी रूप से मान्य

दरअसल, अभी रेंट एग्रीमेंट में स्टाम्प शुल्क ज्यादा होने के कारण बहुत कम लोग इसे कराते हैं। उन्हीं पर दावा चलेगा। मौजूदा रेंट एग्रीमेंट एक्ट में प्रावधान 1 साल के रेंट एग्रीमेंट पर किराये का 2 फीसदी स्टाम्प शुल्क 5 साल के रेंट एग्रीमेंट पर 3 वर्ष के किराये का 2 फीसदी शुल्क 10 साल के रेंट एग्रीमेंट पर 4 वर्ष के किराये का 2 फीसदी स्टाम्प शुल्क 20 साल के रेंट एग्रीमेंट पर 5 वर्ष के किराये का 2 फीसदी स्टाम्प शुल्क 30 साल के रेंट एग्रीमेंट पर 6 वर्ष के किराये का 2 फीसदी स्टाम्प शुल्क 30 साल से ऊपर रेंट एग्रीमेंट पर बैनामे की तरह 7 फीसदी स्टाम्प शुल्क कैबिनेट की मंजूरी के बाद रेंट एग्रीमेंट नियम एक साल तक के एग्रीमेंट पर किराये का 2 फीसदी स्टाम्प शुल्क दो लाख रुपये तक के किराये पर केवल 500 रुपये स्टाम्प शुल्क पांच लाख रुपये तक के किराये पर महज 5000 रुपये स्टाम्प शुल्क एक करोड़ या इससे ज्यादा के किराये पर केवल 20000 रुपये स्टाम्प शुल्क एक करोड़ तक की प्रॉपर्टी पर महिलाओं को मिलेगी स्टाम्प छूट-संपत्ति में महिलाओं का अधिकार बढ़ाने के लिए राज्य सरकार बड़ा तोहफा देने की तैयारी कर रही है। एक करोड़ रुपये तक की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री महिला के नाम करने पर एक फीसदी स्टाम्प छूट मिलेगी। यह सीमा अभी 10 लाख रुपये तक की प्रॉपर्टी पर है। जल्द इस प्रस्ताव को कैबिनेट में पेश किया जाएगा। स्टॉप एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने बताया कि महिला सशक्तिकरण को लेकर राज्य सरकार संवेदनशील है। इसके अंतर्गत एक करोड़ की संपत्ति पर महिलाओं को छूट देने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। महिला के नाम रजिस्ट्री कराने पर स्टाम्प शुल्क में एक फीसदी की छूट दी जाती है। अधिकतम 10 हजार रुपये की छूट- वर्तमान प्रस्ताव के तहत कोई संपत्ति यदि एक करोड़ रुपये की है तो महिला के नाम रजिस्ट्री कराने पर 90 लाख पर 7 फीसदी फीसदी स्टाम्प शुल्क व 10 लाख पर 6 फीसदी स्टाम्प शुल्क का प्रावधान है। यानी अधिकतम 10 हजार रुपये की छूट मिलती है। स्टाम्प शुल्क 7 फीसदी के स्थान पर 6 फीसदी लगेगा-कैबिनेट से प्रस्ताव पास होने के बाद एक करोड़ की संपत्ति की रजिस्ट्री कराने पर स्टाम्प शुल्क 7 फीसदी के स्थान पर 6 फीसदी लगेगा। इस तरह अधिकतम एक लाख रुपये का फायदा होगा। पिछले बजट में केंद्र सरकार ने महिला कल्याण को लेकर लिए गए फैसलों पर खर्च होने वाले बजट का प्रावधान किया था। उम्मीद है कि एक करोड़ तक की संपत्ति पर एक फीसदी की छूट की राजस्व राशि का हिस्सा मिल सकता है। इससे पहले केवल पांच हजार रुपये में गिफ्ट डीड से भी महिलाओं के नाम करीब 4 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति की गई थी।

राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अध्यक्ष को हटाने का 'सुप्रीम' आदेश; कहा– नियुक्ति कानून के अनुसार नहीं

आदेश डॉ. अमरागौड़ा एल. पाटिल द्वारा डॉ. खुराना की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है। पद के लिए आवेदक पाटिल ने इस आधार पर नियुक्तियों को चुनौती दी थी कि खुराना के पास राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग अधिनियम, 2020 की धारा 4(2) और 19 के तहत अपेक्षित अनुभव नहीं है।सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) के अध्यक्ष को उनके पद से इस्तीफा देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि नियुक्ति कानून के अनुसार नहीं है। कर्नाटक हाईकोर्ट के एक आदेश को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने डॉ. अनिल खुराना को एक सप्ताह के भीतर पद छोड़ने का निर्देश दिया।पीठ ने कहा, प्रतिवादी को तत्काल अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना चाहिए।

तत्काल से हमारा तात्पर्य आज से एक सप्ताह के भीतर है, ताकि वह अपना काम पूरा कर सकें। हालांकि, इसमें वित्त से जुड़ा कोई भी नीतिगत निर्णय शामिल नहीं है। अध्यक्ष के पद की नियुक्ति के लिए नयी प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए।% यह आदेश डॉ. अमरागौड़ा एल. पाटिल द्वारा डॉ. खुराना की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है। पद के लिए आवेदक पाटिल ने इस आधार पर नियुक्तियों को चुनौती दी थी कि खुराना के पास राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग अधिनियम, 2020 की धारा 4(2) और 19 के तहत अपेक्षित अनुभव नहीं है।शिक्षा में किसी से भेदभाव नहीं होगा, रोहिंग्या शरणार्थियों से संबंधित याचिका पर कोर्ट -शीर्ष अदालत ने रोहिंग्या शरणार्थियों से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह के लिए तय करते हुए बुधवार को कहा कि शिक्षा के मामले में किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। याचिका में न्यायालय से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र और दिल्ली सरकार को दिल्ली में रोहिंग्या शरणार्थियों को सरकारी स्कूलों व अस्पतालों तक पहुंच प्रदान करने का निर्देश दे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिक्षा में किसी तरह के भेदभाव न करने की बात कही और कहा कि अदालत सिर्फ यह जानना चाहती है कि ये रोहिंग्या परिवार कहां रह रहे हैं, किसके घर में रह रहे हैं और उनका विवरण क्या है। एनजीओ 'रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव' की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस ने कहा कि उन्होंने एक हलफनामा दायर कर विस्तृत जानकारी दी है और बताया है कि रोहिंग्या शरणार्थियों के पास यूएनएचसीआर (संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त) की ओर से जारी कार्ड हैं।

संपादकीय Editorial

Will Manipur be peaceful now?

Prime Minister Modi and Home Minister Amit Shah were forced to take the resignation of Manipur Chief Minister N. Biren Singh. Manipur has been burning due to ethnic violence and killings since May 3, 2023, but the Chief Minister was retained. Now the protest and rebellion has reached the level of no-confidence motion. On February 3, a total of 33 MLAs, including 19 BJP MLAs, came to Delhi and met the Prime Minister and the Home Minister and urged them to change the Chief Minister. It was warned that along with the no-confidence motion, BJP MLAs can also vote against the Chief Minister. The top leadership of the BJP felt that about 35 MLAs in the House of 60 are against it, so the fall of the state government is inevitable. Ultimately, Chief Minister Biren Singh was summoned and ordered to resign. This is such a political resignation, which was overdue long ago. Only the Prime Minister and the Home Minister know the secret of why Chief Minister Biren Singh was kept in office. The reality that the spark of rebellion can turn into flames was revealed in September-October itself. Then 19 BJP MLAs met the Prime Minister and the Home Minister under the leadership of Speaker Satyabrata Singh. During that time, the matter was cooled down due to Maharashtra elections, but Manipur continued to burn. The ethnic tension between the Meitei and Kuki communities in the state became so violent that more than 250 people have died so far. Nearly 60,000 people have become homeless. Nearly 5000 houses have been burnt. 386 religious places have been demolished. The mob burnt the houses of 6 MLAs including 3 ministers. Nearly 6000 cases of violence have been registered. CBI is investigating 11 serious cases among them. 6745 people are imprisoned. All these are government figures. The real data may be different and more. Manipur has become more horrific. Although Manipur has witnessed violence and killings during the Congress governments as well, but in the current times, women were publicly stripped naked and paraded on the streets. What could be more antisocial, chaotic and shameful situation than this! But the Chief Minister remained and the power games continued. The issue of Manipur also resonated strongly in the Parliament. It was also heard occasionally during the elections, but why this hell kept boiling for 21 months, the country may never get an answer to this! Of course, Biren Singh has submitted his resignation from the post of Chief Minister to Governor Ajay Kumar Bhalla. Bhalla has been the Union Home Secretary, in view of that experience, he was appointed as the Governor of Manipur. The question is, what will be the situation in Manipur after Biren Singh's departure? Can the era of peace return? Can the dispute over the status of Scheduled Tribes between Meitei and Kuki be resolved? Will the drug syndicate in Manipur be controlled and will the law of open border with Myanmar be amended? At the moment these questions seem very difficult and complicated. The rebel group is in favour of choosing Speaker T. Satyabrata Singh as their new Chief Minister. Is the top leadership of the BJP agreeable to his leadership?

AAP's existence in jeopardy, a plethora of challenges for the party

BJP's 27-year exile from power in Delhi has ended and the party is going to form the government in the national capital with an absolute majority. There are many reasons why BJP's victory in a small state is being considered so big. Until a month ago, it seemed impossible to defeat Aam Aadmi Party (AAP) in Delhi, because the party had been winning with a huge majority in two consecutive assembly elections. In the last assembly election itself, AAP had secured about 55 percent votes and 62 percent seats. In such a situation, it was believed that even if there was some discontent against it, the party would still reach the majority figure, but in the last three weeks, BJP turned the direction of the election wind and toppled AAP. AAP came into existence from the campaign against corruption, and BJP made this aspect a sore spot for AAP. BJP openly capitalized on the issue of corruption and imprisonment of AAP's top leaders, from Sheeshmahal to the party. Apart from this, issues like condition of roads, transport system, water supply and infrastructure were also raised. BJP assured the public that the schemes of AAP government related to free electricity, water and transport will not only be continued but will also be made more effective. The big tax relief given to the middle class in the budget also made the work of BJP easy. The remaining gap was covered by the complaining tone of AAP that due to the central government, they have to face problems in running the government. This created a fear in the minds of the public that handing over the keys of power to AAP will mean that the doors of governance in Delhi will not open smoothly. For AAP, which was in pole position before the elections, the defeat in Delhi is going to shake its roots. Even though the party has secured more than 40 percent votes, the defeat of big leaders like Arvind Kejriwal, Manish Sisodia, Satyendra Jain, Saurabh Bhardwaj and Somnath Bharti is going to cause deep pain. This shows how widespread public anger was against the party. The defeat of the big leaders has put the existence of the party in danger. Apart from Delhi, AAP, which is ruling Punjab, may have to face new difficulties there too. Apart from this, there will also be a challenge to stop the exodus of leaders. Since AAP does not have any core ideology, it does not have any major basis to save its existence. The party was trying to establish its roots in other states like Gujarat and Goa through the 'Delhi Model'. These efforts will now suffer a major setback. Elections are also to be held in Punjab after two years and the government there has no notable achievement. It has already suffered a major setback there in the Lok Sabha elections. During the Delhi elections, a big tussle was also seen in the opposition parties' front INDIAA. AAP and Congress, which fought the Lok Sabha elections together, fought the assembly elections separately. It is being said that AAP lost about a dozen seats because of Congress. However, the other aspect of this could also be that if AAP and Congress had fought together, then all the votes going against the state government would have gone to the BJP's account. Apart from these ifs and buts, before the elections itself AAP had threatened Congress that it would expel it from the opposition alliance. SP and Trinamool, Shiv Sena and NCP supported AAP in the elections despite not having any mass base in Delhi. Akhilesh Yadav even campaigned with Arvind Kejriwal. This did not do any good to AAP, on the contrary, the cracks within INDIAN came to the fore. This election proved to be a big blow for Congress as well. The party which has been in power in the state for three consecutive times has not been able to open its account in the last three assembly elections. The party may have hoped that the doors of new possibilities would open for it with the defeat of AAP, but the election results were disappointing. Despite a slight increase in the vote percentage, only three of its 70 candidates were able to save their deposits. The hope of a revival of Congress in the Lok Sabha elections is being shattered by one election after another. After the massive defeat in Haryana and Maharashtra after the Lok Sabha elections, and its clean sweep in Delhi, the party has come to the same point where it was before the 2024 general elections. It is natural that the position of the Congress will be weak in the coming elections and it will have to face tough bargaining with allies. On the contrary, the BJP is continuously maintaining its lead. In the Lok Sabha elections, it seemed that PM Modi's popularity and acceptability had decreased, but Haryana was the first to disprove this trend, while the Maharashtra elections confirmed once again that there is no alternative to Modi. If the entire Delhi election was fought on his guarantee, then this miraculous success will also go to Modi's account. This victory will further strengthen the position of the BJP in the NDA. The results of Delhi also proved that elections cannot be won only on the basis of freebies. After the defeat of BRS in Telangana and YSR Congress in Andhra, now the defeat of AAP in Delhi has shown that apart from freebies, more efforts will have to be made to woo the public. The message for the opposition front is that neither electoral victory nor public trust can be won by merely opposing Modi and BJP. In the Lok Sabha elections, it seemed that PM Modi's popularity and acceptance has decreased but Haryana was the first to refute this trend and then the Maharashtra elections confirmed once again that there is no alternative to Modi. If the entire election is fought on his guarantee, then this miraculous success will also go to Modi's account. This victory will further strengthen the position of BJP in NDA.

One country-one law begins, law and order will improve

Women's rights are limited in the personal law of some communities. With the implementation of UCC, women will get equal rights as sons on family property and Muslim girls will be prevented from getting married at a young age. There are still many types of divorces happening in the Muslim society, the brunt of which is being borne by women. With the implementation of the Uniform Civil Code, Uttarakhand became the first state in the country to do so after independence. After this, the Gujarat government has also talked about implementing the Uniform Civil Code (UCC). For this, it has formed a five-member committee. It would be good if this committee of the Gujarat government keeps in mind the criticisms that are being made regarding some provisions of the Uniform Civil Code implemented in Uttarakhand. Uniform Civil Code means having a uniform law for every citizen living in India, irrespective of their sect, religion, region or caste. Now in Uttarakhand, there will be similar rules for all the people of the state in matters like marriage, divorce, adoption of children and division of property. Since independence, there has been talk of implementing it across the country. Even when the Constitution was being drafted, the issue of whether UCC should be included in the Constitution or not was at the center of the debate, but no consensus could be reached on this. Then Dr. Ambedkar had said that UCC is desirable, but for the time being it should remain voluntary. He made it a part of Article 44 of the Directive Principles of State Policy and left the decision to the future generations of the country. The purpose of Article 44 is to eliminate discrimination against weaker groups and establish harmony among diverse cultural groups across the country. Despite this, 'one country-one law' could not be implemented for such a long time after independence. The countrymen hope that the Modi government can implement it, because this government is known for its strict decisions. There are no different laws on the basis of caste, sect-religion in any reputed democratic country of the world, but in India there are marriage acts of different sects. Because of this, many types of social fabric including marriage, population are also spoiled here. That is why there is a need to bring such equality in the civil laws of the country, which brings all religions, castes, classes and sects in the same system. Till such time this reform is not done in the constitution of the country, India will not be truly secular. Currently, there are two types of personal laws in India. The first is Hindu Marriage Act 1956, which is applicable to Hindu, Sikh, Jain etc. sects. Second, Muslim Personal Law which is applicable to those who believe in Islam. Different laws of different sects put a burden on the judiciary. The implementation of UCC will provide relief from this problem and the decisions pending in the courts will be taken soon. Those opposing UCC are of the opinion that it is like imposing Hindu law on all religions. This is a false allegation, because its objective is clearly to look at everyone equally and do justice. UCC means Secular Civil Code as per the Constitution. Keep in mind that UCC has been implemented in many Muslim majority countries like Malaysia, Turkey, Indonesia and Egypt. The Supreme Court has also commented several times on the implementation of UCC. During the hearing of the Shah Bano case in 1985, the court had said, 'It is sad that Article 44 of the Constitution has become a dead letter.' During the hearing of the Sarla Mudgal case in 1995, the Supreme Court had said, 'How much more time will the government take to fulfill the desire of the Constitution makers expressed under Article 44 of the Constitution? The traditional Hindu law governing succession and marriage has already been bid goodbye by codification in 1955-56. In such a situation, there is no justification for suspending the Uniform Civil Code in the country indefinitely. Some practices violate human rights and dignity. It is cruel to strangle human rights in the name of religion.' During the hearing of the Jan Balvattam case in 2003, he said, 'It is sad that Article 44 has not been implemented till date.' During the hearing of the Saira Bano case in 2017, he said, 'We direct the government to consider making appropriate legislation. We hope that a law will be made keeping in mind the reforms in Sharia in Islamic countries.' Since the Uniform Civil Code is based on the concept of one country-one law, its implementation will give equal rights to people of all communities of the country, promote gender equality, improve the status of women in the country, bring simplicity and clarity in laws and eliminate discrimination based on personal or religious laws. Women's rights are limited in the personal law of some communities. With the implementation of UCC, women will get equal rights as sons on family property and Muslim girls will be prevented from getting married at a young age. There are still many types of divorces happening in the Muslim society, the brunt of which is borne by women. With the implementation of UCC, the divorce process will be the same in all communities.

25 हजार के इनामी दो बदमाश मुठभेड़ में घायल, मुगलपुरा में सर्राफ पर की थी फायरिंग

मुरादाबाद -मुरादाबाद के मुगलपुरा में सर्राफा कारोबारी विशाल रस्तोगी पर फायरिंग करने वाले इनामी बदमाश सौरभ और हिस्ट्रीशीटर रचित को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में गोली लगी है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीसरा आरोपी पीयूष पाल फरार है। उस पर भी 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है।मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना क्षेत्र में मंडी चौक के पास सोमवार रात कारोबारी विशाल रस्तोगी पर फायरिंग की गई। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज और मंगलवार दोपहर एसएसपी ने हमलावरों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया। मंगलवार रात पुलिस ने तीन हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है।इनमें दो हमलावर सौरभ शर्मा और हिस्ट्रीशीटर रचित शर्मा को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मुगलपुरा के मंडी चौक निवासी विशाल रस्तोगी सराफा कारोबारी हैं। उन्होंने मुगलपुरा थाने में दर्ज कराए केस में बताया कि सोमवार रात करीब 11 बजे वह जिम से लौटने के बाद कार खड़ी कर रहे थे।इसी दौरान दो बाइकों पर चार लोग आ गए। बाइक और कार में टक्कर होने से बाल बाल बच गई थी। आरोप है कि इसके बाद बाइक सवारों ने उन पर फायरिंग कर दी। जिसमें वह बाल बाल बच गए थे। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने भी जांच पड़ताल की थी।इसके बाद पुलिस ने मुगलपुरा के गुड़िया मोहल्ला बाजीगरान पीरगैब निवासी सौरभ शर्मा, अभय शर्मा उर्फ छोटू, पीयूष पाल और एक अज्ञात के खिलाफ भी मुगलपुरा थाने में जानलेवा हमले में केस दर्ज किया था। एसएसपी सतपाल अंतिल ने सौरभ, अभय और पीयूष पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया था। इसके बाद मुगलपुरा थाने की पुलिस ने अभय शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ में पता चला कि सोमवार रात फायरिंग करने में उनके साथ कटघर के पीतल बस्ती निवासी हिस्ट्रीशीटर रचित शर्मा भी शामिल था। मंगलवार रात पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी थी। मुगलपुरा क्षेत्र से सौरभ और रचित बाइक से गुजर रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी बाइक दौड़ाकर कटघर क्षेत्र में गुलाबगाड़ी पुल के पास पहुंच गई। इसी दौरान कटघर थाने की पुलिस ने घेराबंदी शुरू कर दी। आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस ने जवाबी फायरिंग करते हुए दोनों को घेर लिया। सौरभ के दाहिनी पैर और रचित के बायीं पैर में गोली लगने से घायल होकर मौके पर ही गिर गए। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि मुठभेड़ में दो बदमाशों को गोली लगी है। दोनों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। सौरभ पर 25 हजार का इनाम घोषित है। दूसरा आरोपी कटघर थाने से हिस्ट्रीशीटर है। इनका एक साथी पीयूष पाल फरार है। उस पर भी 25 हजार का इनाम घोषित किया है। छह और आरोपियों पर घोषित किया गया 25- 25 हजार का इनाम- जिले के अलग-अलग थानों में दर्ज केसों में फरार चल रहे छह और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इनाम घोषित होते ही पुलिस के अलावा एसओजी भी इन आरोपियों की तलाश में जुट गई है। एक साल पहले अमरोहा के बछरायूं थाना क्षेत्र के छज्जूपुर माफी निवासी सुशील कुमार के खिलाफ कटघर थाने में जानलेवा हमले समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया था। पुलिस आरोपी की तलाश में कई बार दबिश दे चुकी, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आया था। कटघर के संजय नगर गली नंबर तीन निवासी अजय सैनी और डबल फाटक निवासी कमल चौहान के खिलाफ कटघर थाने में केस दर्ज है। इनके अलावा कटघर के दुर्गेश नगर निवासी संजय चौहान, विशाल और हरीश के खिलाफ कटघर थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस इन सभी आरोपियों की तलाश में जुटी है लेकिन आरोपी हाथ नहीं आ रहे हैं। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि नौ आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

यूपी पुलिस भर्ती: दौड़ लगा रहीं तीन अभ्यर्थी गिरीं, पैर की हड्डी टूटी, दिखा चोट से ज्यादा चूक जाने का दर्द

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती की दौड़ में मुरादाबाद में चार महिला अभ्यर्थी गिरकर घायल हो गईं। इनमें से तीन के पैर फ्रैक्चर हो गए। 757 अभ्यर्थियों में से 610 ने दौड़ पूरी की। अभ्यर्थियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।यूपी पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती के लिए मंगलवार को दौड़ लगातीं चार महिला अभ्यर्थी गिर गईं। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चेकअप के बाद पता चला कि तीन अभ्यर्थियों के पैर फ्रैक्चर हो गए हैं। अभ्यर्थी के साथ ही उनके अभिभावक भी दुखी नजर आए। एक दिन पहले भी छह युवतियां गश खाकर गिर गई थीं, जिसमें एक अभ्यर्थी के पैर में फ्रैक्चर हो गया था।नौवीं वाहिनी पीएसी के मैदान में सोमवार से सिपाही भर्ती के लिए दौड़ की प्रक्रिया चल रही है। मंगलवार को 800 महिला अभ्यर्थियों को दौड़ में भाग लेना था। इसमें से 43 अभ्यर्थी दौड़ परीक्षा में शामिल नहीं हुईं। 757 अभ्यर्थी दौड़ परीक्षा में शामिल हुईं। 610 अभ्यर्थी ही निर्धारित समय में दौड़ पूरी कर पाईं, जबकि 147 युवतियां तय समय में दौड़ पूरी नहीं कर पाईं।दौड़ के दौरान बिजनौर के पूरनपुर निवासी अनु, बिजनौर के बाकरपुर निवासी उपासना मुरादाबाद के नवीन नगर निवासी उपासना और रामपुर के पीपली निवासी कामिनी गश खाकर गिर गईं। पुलिस कर्मियों ने उन्हें जिला अस्पताल भिजवा दिया। इस दौरान उनके परिजन भी पहुंच गए। चेकअप के बाद पता चला कि उपासना, अनु और आंचल के पैर में फ्रैक्चर हुआ है।सिपाही बनने को दौड़ी 1050 लड़कियां -सिपाही भर्ती परीक्षा के नोडल अधिकारी सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि बुधवार को 1050 लड़कियां दौड़ी। नौवीं पीएसी के मैदान में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।दौड़ का हिस्सा बनने से चूके अभ्यर्थियों को मिलेगा मौका-नौवीं वाहिनी पीएसी के मैदान में सोमवार से दौड़ परीक्षा शुरू हुई थी। यह परीक्षा 27 फरवरी तक चलेगी। जो अभ्यर्थी दौड़ परीक्षा में भाग नहीं ले पाई हैं, उन्हें 27 फरवरी को दौड़ लगाने का मौका मिलेगा। इसके लिए अभ्यर्थी को लिखित में दौड़ में शामिल न होने का कारण बताना होगा। एसएसपी ने मैदान पर पहुंचकर परखी सुरक्षा एसएसपी सतपाल अंतिल मंगलवार सुबह नौवीं वाहिनी पीएसी के मैदान में पहुंचे और उन्होंने सिपाही भर्ती के लिए चल रही दौड़ परीक्षा को देखा। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी में लगे पुलिस अधिकारी और कर्मियों को ब्रीफ किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए।

अभी पांच माह और जमीन पर रहेगा जहाज, सिर्फ 45 दिन चली उड़ान, पीएम ने किया था उद्घाटन

मुरादाबाद-लखनऊ फ्लाइट सेवा को 15 जुलाई तक रद्द कर दिया गया है। कोहरे और लखनऊ एयरपोर्ट रनवे विस्तार के कारण नवंबर से उड़ानें ठप हैं। फ्लाई बिग कंपनी के पास सीमित विमान होने से अन्य शहरों की सेवाएं भी शुरू नहीं हो पाईं। मुरादाबाद से राजधानी दिल्ली समेत उत्तर प्रदेश के सभी बड़े शहरों की हवाई कनेक्टिविटी का सपना इस साल हवा में ही रहेगा। 15 मार्च तक कोहरे के कारण पहले ही मुरादाबाद से लखनऊ की फ्लाइट निरस्त है। अब लखनऊ एयरपोर्ट पर रनवे विस्तार के कारण 15 जुलाई तक मुरादाबाद से हवाई जहाज नहीं उड़ पाएगा।अगस्त में शुरू हुई हवाई सेवा नवंबर से बंद है। एक तरफ फ्लाई बिग कंपनी मुरादाबाद के लोगों को लखनऊ के अलावा, भटिंडा, गाजियाबाद, कानपुर, देहरादून की फ्लाइट के सपने दिखा चुकी है। दूसरी ओर लखनऊ की फ्लाइट के लिए ही अब चार माह और इंतजार करना पड़ेगा। मूंढापांडे के भदासना स्थित एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च 2024 को वर्चुअल माध्यम से किया था।उड़ान शुरू होने में पांच महीने लग गए और अगस्त 2024 में पहली बार लखनऊ के लिए फ्लाइट गई। तब से अब तक 45 फ्लाइट ही संचालित हो पाई हैं। शुरुआत में सप्ताह में तीन दिन फ्लाइट संचालित हुई। इसके बाद बढ़ाकर छह दिन किया गया। अंत में विमान न होने के कारण इसे घटाकर तीन दिन ही कर दिया। नवंबर से लगातार बाधाओं के कारण संचालन ठप रहा है। हवाई अड्डे पर एडवांस लैंडिंग सिस्टम न होने के कारण कम दृश्यता में विमान हवा में मंडराता रहा। दो दिन लगातार फ्लाइट को लखनऊ वापस लौटना पड़ा। इसके बाद कोहरे का हवाला फ्लाई बिग ने उड़ान रद्द करने की घोषणा की। सूत्रों का कहना है कि फ्लाई बिग कंपनी के पास पर्याप्त संख्या में विमान नहीं हैं। मुरादाबाद-लखनऊ की फ्लाइट का संचालन लगातार होता रहे, यही काफी है। अन्य शहरों के लिए फ्लाइट शुरू करने के लिए कंपनी को और विमान खरीदने होंगे या कोई ठोस प्लान बनाना होगा, जिससे सीमित विमानों में ज्यादा फ्लाइट संचालित हो सकें। फिलहाल कंपनी ने मुरादाबाद में तैनात स्टाफ को दूसरे हवाई अड्डों पर स्थानांतरित कर दिया है। कुल 99 दिनों तक हुई उड़ान, 86 दिनों से बंद मुरादाबाद से लखनऊ के लिए शुरू हुई हवाई सेवा 99 दिनों तक बहाल रही। 99 दिनों में 45 दिन उड़ान भरी गई। लेकिन इससे ज्यादा दिनों तक फ्लाइट बंद रहेगी। फिलहाल 17 नवंबर 2024 से उड़ान बंद है। जो 15 मार्च तक जारी रहेगा। ऐसे में 86दिनों से बंद हवाई सेवा अभी 33 दिन और बहाल नहीं हो सकी है। जुलाई-अगस्त में बारिश बनेगी बाधा एएआई व फ्लाई बिग कंपनी 15 जुलाई से फ्लाइट संचालित करने का दावा कर रहे हैं। जबकि जुलाई-अगस्त में बारिश उड़ान में बाधा बनेगी। विभागीय जानकारों का मानना है कि अब फ्लाइट का संचालन लंबे समय के लिए टल सकता है। सितंबर-अक्तूबर के बाद फिर कोहरा पड़ने लगेगा। मुरादाबाद एयरपोर्ट पर एडवांस लैंडिंग सिस्टम न होने के कारण फिर संचालन बंद हो जाएगा। जब तक कोहरे में कम दृश्यता के बावजूद फ्लाइट की लैंडिंग कराने के लिए एएलएस नहीं लगेगा, तब तर यात्रियों को लगातार फ्लाइट उपलब्ध नहीं हो पाएगी। एएलएस लगने के बाद 500 मीटर दृश्यता में भी विमान उतारा जा सकता है। लखनऊ एयरपोर्ट पर रनवे विस्तार के कारण मुरादाबाद से फ्लाइट का संचालन 15 जुलाई तक नहीं हो पाएगा। यात्रियों को इसकी सूचना दी जा रही है। मुरादाबाद से बेस फेयर 999 होने के कारण काफी यात्री लगातार सफर करते हैं। - आशीष पाल, एयरपोर्ट डायरेक्टर एक नजर हवाई सेवा पर 10 मार्च 2024 को हुआ था उद्घाटन 10 अगस्त 2024 को भरी गई पहली उड़ान 17 नवंबर 2024 से हवाई सेवा बंद 15 मार्च 2025 तक कोहरे के कारण फ्लाइट निरस्त तेंदुए को रोकने के लिए लगाई ग्रिल एयरपोर्ट पर दो बार तेंदुआ प्रवेश कर चुका है। हालांकि दोनों बार वन विभाग की टीम ने पिंजरा लगाकर उसे पकड़ लिया। अब पिछले 15 दिन से एयरपोर्ट पर तेंदुए की हलचल नहीं हुई है। एयरपोर्ट पर कैमरों से लगातार निगरानी हो रही है। साथ ही सभी प्रवेश गेट के नीचे लोहे की ग्रिल लगा दी गई है। पक्षियों का रनवे पर प्रवेश रोकने के लिए भी पटाखे आदि छोड़े जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी युगल ने जीती प्यार की जंग, प्रेमी के साथ कोतवाली पहुंची प्रेमिका

ठाकुरद्वारा- प्रेमी के प्यार में पागल प्रेमिका निकाह को लेकर कोतवाली पहुंच गई। जहां पुलिस ने प्रेमी युगल के परिजनों को बुलाया और आपसी सहमति पर प्रेमी युगल को निकाह के लिए राजी हो गए। पुलिस ने प्रेमी युगल की सहमति के बाद दोनों को परिजनों के साथ भेज दिया है। नगर के मोहल्ला निवासी युवती का काफी समय से उत्तराखंड महुआखेड़ा गंज क्षेत्र के गांव निवासी युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसमें युवती ने अपने प्रेमी से शादी करने का मन बना लिया और शादी करने को लेकर कोतवाली पहुंच गई। जहां युवती अपने प्रेमी के साथ शादी की जिद पर अड़ गई। पुलिस ने युवती और युवक के परिजनों को कोतवाली बुलाया। जहां पर दोनों के परिजन निकाह के लिए राजी हो गये। पुलिस ने प्रेमी युगल के बयान दर्ज कर दोनों को परिजनों के साथ भेज दिया।

तेज रफ्तार वाहन ने मुरादाबाद के मजदूर को रौंदा, मौके पर ही तोड़ दिया दम, परिजनों में कोहराम

मुरादाबाद-अमरोहा में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मुरादाबाद निवासी धर्मपाल सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अमरोहा में हाईवे पर सड़क पार करते समय तेज रफ्तार वाहन ने मुरादाबाद के रहने वाले मजदूर धर्मपाल सिंह (45) को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस में पड़ताल की। पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन शव को घर ले गए और अंतिम संस्कार कर दिया। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।धर्मपाल सिंह डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव में किसान के यहां मजदूरी करते थे। वह मूलरूप से मुरादाबाद जनपद के बिलारी थानाक्षेत्र के गांव सरथल के रहने वाले थे। दो भाइयों में बड़े धर्मपाल सिंह के परिवार चार बच्चे हैं। चारों बेटियां हैं। पुलिस के मुताबिक मंगलवार की रात करीब आठ बजे धर्मपाल सिंह किसी काम से डिडौली आए थे।इस दौरान सड़क पार कर रहे थे। तभी, तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में धर्मपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें जोया के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही धर्मपाल सिंह के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। सीओ सिटी अरुण कुमार ने बताया कि मामले में परिजनों की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

संगम की बूंदों में उफनाया माघी पूर्णिमा का अनंत विश्वास, आस्था के तटबंधों को तोड़कर उमड़ा जन सागर

माघी पूर्णिमा पर संगम में आस्था की अनंत बूंदों में श्रद्धालुओं ने भक्ति की डुबकी लगाई। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन में हिस्सा बनने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु संगम की रेती पर पहुंच रहे हैं।पूजहिं माधव पद जलजाता/ परसि अखय बटु हरषहिं गाता...। संत तुलसी की इस चौपाई का आशय है कि गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती की पावन त्रिवेणी में डुबकी लगाकर ऋषि-मुनि,देव-दनुज सभी संगम रूपी स्वामी भगवान श्रीहरि माधव के चरण साथ ही अक्षयवट का स्पर्श कर उनके मिट जाते हैं। विश्व के सबसे बड़े पांचवें सबसे बड़े स्नान पर्व माघी यही महिमा जगव्यापी श्रद्धा की में साकार हुई। आधी रात से ही माघी मचलता जन सागर दिन भर आस्था लिए आतुर रहा।मेला प्रशासन ने दोपहर 42 घाटों पर 1.83 करोड़ श्रद्धालुओं किसी ने सूर्योदय का इंतजार किया न के सुरम्य तट पर हर कोई प्रयाग में माघी की ललक लिए डुबकी मारने लगा। न कपड़े रखने की जगह थी न ठिठकने झोला तो किसी का कपड़ा और किसी रहे।उसी बीच में पुरोहितों-संतों की कर रही थीं और घंट-घड़ियाल के बीच भी हर अंतस को छूती रहीं। भक्ति के दिव्य आभा ने संगम से लेकर चार नगर के शिविरों से निकले रास्तों पर

सिंहासन पर विराजमान जगत के कमल को पूज कर धन्य हो जाते हैं। तन-मन के ताप-संताप हमेशा के लिए सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ के पूर्णिमा पर एक बार फिर संगम की अमृतमयी बूंदों के स्पर्श की अकुलाहट पूर्णिमा की पावन डुबकी के लिए के तटबंधों को तोड़कर छलकने के दो बजे तक 12 किमी लंबे संगम के के डुबकी लगाने का दावा किया। न पुण्यकाल का। आधी रात त्रिवेणी पूर्णिमा की महिमा का पुण्य बटोरने खचाखच भीड़ की वजह से रेती पर की। उसी जन सैलाब में किसी का के परिवारीजन आंखों से ओझल होते शंखध्वनियां भी तन-मन को पुलकित आस्था, विश्वास और भक्ति की लहरें अनंत सागर से निकली आस्था की हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में बसे महाकुंभ हर तरफ अद्भुत छटा बिखेर दी। पौ फटते ही पूरब की लाली से फूटी किरणें संगम की लहरों पर उतर कर हर तन-मन में शक्ति और उल्लास का संचार करने लगीं। पुण्य की डुबकी लगाने के साथ ही उन्हीं लहरों पर लोक मंगल के गीत गाए जाते रहे।मनाही के बावजूद संगम पर सौभाग्य के दीप भी जलते रहे और दुग्धाभिषेक भी होता रहा। तिलक-त्रिपुंड लगाने वाले पुरोहितों के चेहरे की मुस्कान देखते बन रही थी। बिहार के बक्सर और झारखंड के गढ़वा स्थित डालटनगंज से ढोल-हारमोनियम लेकर आए श्रद्धालु समूहबद्ध होकर संगम जाने वाले रास्तों पर कीर्तन करते रहे। अलग-अलग भाषा, पहनावा और संस्कृतियों के रंग आपस में इस तरह उल्लसित होकर मिल रहे थे, जैसे वर्षों की चाह पूरी हो रही हो। बच्चे मम्मी-पाप के कंधे पर सवार थे तो महिलाएं अपने पति या पुत्रों का हाथ थाम कर संगम में नहाने पहुंची थीं। संगम पर पुण्य रूपी कमाई को अर्जित करने के लिए ऐसा ही समागम महाकुंभ में हर तरफ नजर आया। वर्षों बाद महाकुंभ में माघी पूर्णिमा पर कुंभ संक्रांति लगने की वजह से झूंसी से लेकर फाफामऊ, नैनी तक के रास्तों पर जन ज्वार उमड़ता रहा।एक तरफ डुबकी का उल्लास और दूसरी ओर कल्पवास के मास पर्यंत अनुष्ठानों की पूर्णाहुति ने महाकुंभ में भक्ति के रंग को और गाढ़ा कर दिया। शिविरों में रात भर अखंड रामायण पाठ और कीर्तन शुरू हो गए थे। कथा और सत्संग रूपी ज्ञान का प्रवाह गंगा-यमुना के भक्ति और प्रेम में समाहित होकर अलग त्रिवेणी रचता रहा। सेक्टर 19 स्थित राधा आध्यात्मिक सत्संग समिति के शिविर में डॉ. अमिता राधाचार्या ने माघ महात्म्य पर विस्तार से चर्चा की। संगम विश्व धरोहर अभियान को लेकर प्रयागराज सेवा समिति के शिविर में सत्यनारायण भगवान की कथा के साथ ही मास पर्यंत अनुष्ठानों की पूर्णाहुति हुई।संतों-भक्तों और कल्पवासियों पर अफसरों ने बरसाए 42 कुंतल फूल माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर सुबह ही हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं, संतों और कल्पवासियों पर पुष्पवर्षा आरंभ हो गई। अफसरों ने संगम समेत गंगा के सभी स्नान घाटों पर शाम तक 42 कुंतल गेंदा, गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की। इस दौरान पुष्पवर्षा से पुलकित होकर श्रद्धालु गगनभेदी जयकारे भी लगाते रहे।1.83 करोड़ श्रद्धालुओं के दोपहर तक डुबकी लगाने का दावा 42 स्नान घाटों पर माघी पूर्णिमा की लगी डुबकी 50 हजार सुरक्षाकर्मियों ने संभाली 25 सेक्टरों में बसी तंबुओं की नगरी की कमान 38 आला अफसरों की सुगम स्नान के लिए शासन ने की थी अतिरिक्त तैनाती 03 एडीजी और तीन आईजी भी माघी पूर्णिमा स्नान पर्व कराने के लिए अलग से किए गए थे तैनात

मुरादाबाद में भी कई 'अल्लाहबादिया', उन पर दर्ज हो चुके हैं केस, रणवीर का पुतला फूंका...कार्रवाई की मांग

यूट्यूबर्स की फूहड़ता और आपत्तिजनक टिप्पणियों पर मुरादाबाद में कई केस दर्ज हो चुके हैं। महिलाओं व देवी-देवताओं पर भद्दे कमेंट्स के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए गए। अब लोगों ने माता-पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करके विवादों में घिरे यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। इंडिया गॉट लैटेंट के हालिया शो में एक प्रतिभागी के माता-पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करके विवादों में घिरे यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया इन दिनों चर्चाओं में हैं। मुरादाबाद में भी कई रणवीर अल्लाहबादिया जैसे यूट्यूबर हैं, जिन्होंने आपत्तिजनक और फूहड़ता भरे वीडियो बनाए। अपने सोशल मीडिया इन्होंने आपत्तिजनक टिप्पणी की, साथ लाइंस और पाकबड़ा में इन यूट्यूबर पर 14 जनवरी को रामगंगा विहार स्थित टीम) नाम से चैनल चलाने वाले लाइव शो किया था।कार्यक्रम के दौरान टिप्पणी की थी। शो के दौरान जो भद्दे मीडिया पर वायरल किया था। इस आमिर और दानिश के खिलाफ केस टू हेल में देवी देवताओं पर अभद्र वसीम के खिलाफ केस दर्ज किया गया गया था। इस मामले में पुलिस ने वसीम फरमान ने भी देवी देवताओं पर यूट्यूबर के खिलाफ केस दर्ज किया हैं, जिन्होंने फूहड़ और आपत्तिजनक फेसबुक, यूट्यूब, एक्स और इंस्टाग्राम पाने के लिए वीडियो सोशल मीडिया टिप्पणी वाले वीडियो नहीं बनाने

अकाउंट से शेयर भी किया।महिलाओं पर ही धर्म को लेकर भी अपशब्द कहे। सिविल केस भी दर्ज किए जा चुके हैं। पिछले साल एमआईटी में यूट्यूब पर टीआरटी (टॉप रियल आमिर और दानिश ने अपनी टीम के साथ इन दोनों ने महिलाओं पर आपत्तिजनक कमेंट्स किए गए, उसका वीडियो सोशल मामले में सिविल लाइंस थाने में यूट्यूबर दर्ज किया था। इससे पहले यूट्यूब चैनल राउंड टिप्पणी करने के मामले में चैनल के मालिक था। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया को गिरफ्तार किया था। पाकबड़ा में यूट्यूबर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में गया है। इनके अलावा भी कई और यूट्यूबर टिप्पणी करते हुए वीडियो बना रहे हैं। इन्होंने पर अकाउंट बना रखे हैं। लाइक्स और कमेंट्स पर वायरल कर रहे हैं। फूहड़ और आपत्तिजनक चाहिए। साफ सुथरी वीडियो को भी लोग पसंद करते हैं, लेकिन कुछ यूट्यूबर जल्द पहचान बनाने के चक्कर में ऐसे वीडियो बना रहे हैं। हमारे चैनल पर करीब डेढ़ करोड़ लोग जुड़े हैं। हम फैमिली कॉमेडी बनाते हैं, जिसे लोग बहुत पसंद कर रहे हैं। - हिमांशु रस्तोगी, अनंत रस्तोगी यूट्यूब चैनल- शो के दौरान किसी सवाल के जवाब में इस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। यूट्यूब पर विकास मुरादाबादी के नाम से मेरा चैनल है। लोगों को जानकारी देने वाले वीडियो बनाता हूं। शहर की इमारतों, खाने पीने के स्टाल के बारे में जानकारी दी जाती है। इससे लोग बहुत पसंद कर रहे हैं। यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर 40 लाख से ज्यादा लोग जुड़े हैं। - विकास मुरादाबादी, यूट्यूब पर विकास मुरादाबाद नाम से चैनल- रणवीर का पुतला फूंका, कार्रवाई की मांग- टीपी नगर चौराहे के पास यूथ कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रणवीर इलाहाबादिया और उनकी टीम का पुतला फूंका। यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव हसन जैदी के नेतृत्व में मंगलवार दोपहर कार्यकर्ता टीपीनगर चौराहे के पास एकत्र हुए। उन्होंने यहां यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और उसकी टीम का पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन से यूट्यूबर इलाहाबादिया और उनकी टीम के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भिजवाने की मांग की। इस दौरान अदनान अमन, असद खान समेत अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। अल्लाहबादिया का सोशल मीडिया अकाउंट बंद हो कांग्रेस के यूथ जिलाध्यक्ष दानिश सैफी ने पुलिस को तहरीर देकर रणवीर अल्लाहबादिया पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके सभी अकाउंट बंद कराने की मांग की है। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया, समय रैना और अपूर्वा मखीजा ने अपने एक शो में महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की है, जो निंदनीय है।

सीएम योगी बोले- जो लोग कुंभ की व्यवस्थाओं पर उठा रहे थे सवाल, अब खुद ही चुपचाप डुबकी लगाकर आ रहे

सीएम योगी ने बुधवार को बागपत में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अजित सिंह की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। छपरौली के श्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में रालोद के संस्थापक व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. चौधरी अजित सिंह की इसके साथ ही सीएम ने 351 करोड़ की 281 विकास परियोजनाओं जयंत सिंह उनके साथ रहे।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वेस्ट किया है। चौधरी अजित सिंह भी कहते थे कि देश के विकास का किसानों के हित की दिशा में काम कर रहे हैं।सीएम ने कहा कि जो लगाकर आ रहे हैं। 26 फरवरी तक कुंभ भव्यता से चलता रहेगा और लगा लगेंगे। सीएम ने कहा कि पहले पुलिस की भर्ती निकलती थी, पुलिस भर्ती चल रही है और बिना भेदभाव के सभी जिलों के युवाओं का नौजवान तो अपनी ताकत दिखाएगा ही, हमने इसमें 20 फीसदी ट्रेनिंग शुरू हो जाएगी। इसी साल में यूपी पुलिस को 60 हजार नए

प्रतिमा का बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने अनावरण किया। का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी यूपी के किसानों ने खेती की उन्नत तकनीक अपनाकर अपना विकास रास्ता खेत और किसान से होकर गुजरता है। उसी से प्रेरणा लेकर हम लोग कुंभ की व्यवस्थाओं पर अंगुली उठा रहे थे, वे अब चुपचाप डुबकी श्रद्धालु लाभ उठाते रहेंगे। महाकुंभ में कल तक 50 करोड़ लोग डुबकी लेकिन नौजवान को नौकरी नहीं मिलती थी। हमारी सरकार में अब को उनकी प्रतिभा के आधार पर चयनित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश नौकरी बेटियों के लिए आरक्षित कर दी हैं। अगले दो महीने में इनकी पुलिसकर्मी मिलेंगे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आचार्य सत्येंद्र दास के निधन से अयोध्या के संत धर्माचार्य शोकाकुल, महंत नृत्य गोपाल ने दी श्रद्धांजलि

श्री रामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास के निधन पर अयोध्या के संत धर्माचार्यों ने शोक व्यक्त किया है।

बुधवार सुबह लखनऊ पीजीआई में उनका निधन हो गया। श्री रामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास जी महाराज का साकेतवास हो गया। आज माघ पूर्णिमा के पवित्र दिन बुधवार प्रात: सात बजे के लगभग उन्होंने पीजीआई लखनऊ में अंतिम सांस ली। वे वर्ष 1992 से रामलला की सेवा पूजा कर रहे थे।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सहित अयोध्या धाम के संत धर्माचार्यों ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया और कहा कि पुजारी जी ने लगभग 32 वर्ष के सेवाकाल में अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं और प्रशासनिक व्यवस्था में मंदिर के अर्चक होने के कारण सहयोगी बने रहे।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास महाराज ने सत्येंद्र दास के निधन पर कहा कि यह नश्वर संसार है। सभी को एक दिन मुक्त होना है। धार्मिक जीवन मूल्यों के प्रति संवेदनशील सदपुरूष की मृत्यु नहीं होती। उनकी ओर से किए गए सद्कार्य उन्हें चिरकाल तक समाज के मस्तिष्क पर जीवंत रखते हैं। सत्येन्द्र दास जी ने संत परम्परा का सदैव ध्यान रखा। 1992 में श्रीराम लला के अर्चक का दायित्व ग्रहण कर अपनी निष्ठा समर्पित की। उनका साकेत गमन हम सभी के लिए पीड़ादाई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने कहा सत्येन्द्र दास जी हमारे पड़ोसी रहे। मंदिर की पूजन व्यवस्था के प्रति वह अपने कार्यकाल में सदैव संवेदनशील रहे। इन 30-31 वर्षों में वह हिंदू मुस्लिम समन्वय की चर्चा के केंद्र बिंदु बनते रहे। आज वह साकेतवासी हो गए, जिसके कारण अपार दुख हुआ है। श्रीराम लला उन्हे अपने चरणों में स्थान प्रदान करें। विश्व हिंदू परिषद के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा कि आचार्य सत्येन्द्र दास के निधन से धार्मिक जगत को अपूर्णीय क्षति पहुंची है। 1990 के पूर्व वह मंदिर आंदोलन में सहयोगी रहे। 1992 में प्रशासन की ओर से मंदिर के मुख्य पुजारी नियुक्त होने के पश्चात वह मंदिर व्यवस्था के अंग बनकर सेवारत हो गए। उनके निधन से अपार दुख पहुंचा है। श्रीरामलला उन्हें सदगति प्रदान करें।

साली का रिश्ता तुड़वाने के लिए जीजा ने की हदें पार, कस्बे में लगाए पोस्टर, लिखीं अश्लील बातें

बरेली के फतेहगंज पूर्वी से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक युवक ने अपनी साली को बदनाम करने और उसका रिश्ता तुड़वाने के लिए हदें पार कर दीं। उसने साली की आपत्तिजनक तस्वीरें कस्बे में कई जगह चस्पा कर दीं। इस करतूत से युवती को गहरा सदमा लगा है।बरेली के फतेहगंज पूर्वी निवासी युवती के आपत्तिजनक फोटो कस्बे में चस्पा कर दिए गए। यह आरोप लगाकर पीड़ित युवती के पिता ने अपने दामाद समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपी उसकी छोटी बेटी की शादी तय होने के बाद से नाराज हैं। वह रिश्ता तुड़वाना चाहते हैं।शिकायतकर्ता ने बताया कि बड़ी बेटी के पति से उनकी अनबन है। हाल ही में उन्होंने छोटी बेटी का रिश्ता तय किया है। आरोपी छोटी बेटी की शादी नहीं होने देना चाहते हैं। उसे बदनाम करने के लिए आरोपियों ने पोस्टर पर बेटी का आपत्तिजनक फोटो लगाने के साथ ही उसका मोबाइल नंबर भी लिख दिया।पोस्टर पर बेटी के बारे में अश्लील बातें लिखी गई हैं। रेलवे की दीवार पर पोस्टर चस्पा किए जाने की जानकारी पर आसपास के लोगों ने इन्हें हटा दिया। अश्लील पोस्टर कस्बे में चस्पा किए जाने की जानकारी के बाद से बेटी तनाव में आ गई। वह किसी से बात नहीं कर रही। युवती के पिता ने आरोपियों से विरोध जताया तो उनसे अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की गई। जान से मारने की धमकी दी गई। सोमवार देर रात थाने पहुंचकर पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अन्य की तलाश की जा रही है।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा शामली मौसम की तैयारी को लेकर एक बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली अपर जिलाधिकारी संतोष कुमार सिंह व मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी अध्यक्षता में आज उनके कार्यालय में शामली महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक का संचालन करते हुए उपनिदेशक पर्यटन प्रीति श्रीवास्तव द्वारा अधिकारियों को अवगत कराया गया कि पर्यटन

विभाग सभी जनपदों में महोत्सव का आयोजन कराया जा रहा है। उन्होंने अवगत कराया की जनपद में पहली बार शामली महोत्सव का आयोजन होगा। जिसको लेकर दिनांक 21 से 25 फरवरी 2025 तिथि निर्धारित की गई और शामली महोत्सव को लेकर जनपद में स्थल चयन वी.वी. डिग्री कॉलेज शामली को रखा गया है। बैठक में अपर जिलाधिकारी व सीडीओ द्वारा शामली महोत्सव को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विचार विमर्श कर तैयारी हेतु निर्देशित किया। शामली महोत्सव में स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ बॉलीवुड के कलाकार की भी धूम रहेगी। शामली महोत्सव में विभागों की प्रदर्शनी साथ महोत्सव में उच्च स्तरीय फूड स्टॉल भी रहेंगे।बैठक में प्रीति श्रीवास्तव उपनिदेशक पर्यटन/सहारनपुर मंडल मेरठ, पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द, सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी आदि मौजूद रहे।

संत शिरोमणि रविदास जी ने धर्म का रास्ता बताया सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए कहा-अरविंद संगल

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली - रविदास संत रविदास टंकी रोड शामली संत रवि दास मंदिर में हवन किया जिसमें शामली नगर पालिका परिषद के चेयरमैन अरविंद संगल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मुख्य अतिथि

के रूप में सर्वप्रथम संत रविदास जी की मूर्ति की पर माला अर्पण कीऔर दीप प्रज्वलित किया जनपद शामली निकट फाटक के पास मंदिर में संत शिरोमणि रविदास जी के जन्म दिवस पर मंदिर की कमेटी की ओर से के एक विचार गोष्ठी आयोजित की और हवन भंडारे का आयोजन किया जिसमें काफी संख्या में लोग शामिल होकर संत शिरोमणि रविदास जी का जन्म दिवस को बड़े धूमधाम से मनाया जिसमें संत शिरोमणि रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अध्यक्ष अरविंद संगल ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने धर्म सत्य का प्रचार प्रसार किया और समाज के लोगों को धर्म के प्रति और शिक्षा ग्रहण के लिए जागरूक किया और उन्होंने एक संदेश दिया मन चंगा तो कटौती में गंगा इसलिए अपने मन को पवित्र करें और सत्यधर्म के रास्ते चलकर अपना जीवन सफल करें अपने संबोधन में कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने जो सत धर्म का मार्ग बताया है उस पर चलकर अपना जीवन सफल करें और उनके आदर्शों पर चलने के लिए कहा उक्त अवसर पर संत शिरोमणि रविदास मंदिर के प्रांगण में हवन यज्ञ भी किया गया और यज्ञ में नगर के सम्मानित प्रमुख लोगों ने भाग लेकर के आहुति दी और मंदिर कमेटी की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें काफी श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया की उक्त उत्सव पर मंदिर कमेटी अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार बादल सिंह नगर पालिका के सभासद पूर्व सभासद काफी संख्या में पुरुष महिलाएं शामिल रहे

जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने जिला संयुक्त चिकित्सालय शामली का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान ने आज अपने निरीक्षण में जिला संयुक्त चिकित्सालय शामली का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में इमरजेंसी कक्ष,प्लास्टर कक्ष, एक्स-रे रूम, अल्ट्रासाउंड, सारी ओपीडी, एसटीडी क्लिनिक,रजिस्ट्रेशन काउंटर, पैथोलॉजी लैब, एसएनसीयू, एनआरसी, महिला/पुरुष वार्ड आदि का निरीक्षण करते हुए फिजियोथैरेपी कक्ष में सफाई व्यवस्था दुरुस्त न मिलने पर साफ

सफाई हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने दिन में कई बार अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था हेतु निर्देश दिए।निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने पुरुष/महिला वार्ड में भर्ती कई मरीजों से वार्ता की गई पूछा डॉक्टर्स देखने आते हैं,मरीज बोलें जी साहब डाक्टर देखने आते हैं, कोई दिक्कत नहीं है, दवाई भी समय से मिल रही है। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने वार्डों में एलईडी की व्यवस्था हेतु भी निर्देशित किया गया।निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने ओपीडी के दौरान मरीज को लंबे समय तक लाइन में खड़ा ना होना पड़े उसके लिए उनके पर्चे जमा कर एक-एक कर आवाज़ लगाई जाए ताकि उन्हें सुविधा रहे और उनके बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित हो।ओपीडी के दौरान जिलाधिकारी ने मरीजों से वार्ता व डॉक्टरों से इलाज हेतु जानकारी प्राप्त की गई।निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने रजिस्ट्रेशन काउंटर का निरीक्षण करते हुए रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पुरुष/महिला/विकलांग/वृद्धजन/भूतपूर्व सैनिकों के लिए निर्देशिका पट्टी लगाने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी में संबंधित को निर्देशित किया दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित हो इसमें किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के समय एसडीएम शामली विनय प्रताप सिंह भदौरिया,सीएमएस किशोर आहूजा, सहित आदि मौजूद रहें।

एसएसपी ने कछला गंगा घाट का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह द्वारा माघी पूर्णिमा गंगा स्नान के पर्व पर थाना उझानी क्षेत्रान्तर्गत कछला गंगा घाट का निरीक्षण किया गया । कछला गंगा घाट पर श्रद्धालुओं के लिए किए गए सुरक्षा प्रबन्धों का जायजा लिया गया । कछला घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु बनाए गए कंट्रोल रुम,स्नान हेतु चिन्हित किए गए स्थानों एवं पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए वहाँ तैनात किए गए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी चैक कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था हेतु जनपद के थानों से प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष को मय पुलिसबल के ड्यूटी पर लगाया गया है,साथ ही एक प्लाटून फ्लड पी0ए0सी0 को भी तैनात किया गया है। गंगा घाट पर आवागमन मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से बैरीकेटिंग की व्यवस्था के साथ ही वाहनों की पार्किंग की भी उचित व्यवस्था की गई है। गंगास्नान के स्थानों को चिन्हित कर रस्सों एवं बल्लियों आदि से बैरीकेटिंग की गई है। श्रद्धालुओं एवं उनके सामान की सुरक्षा के लिए तथा असामाजिक तत्वों पर ड्रोन कैमरों एवं सीसीटीवी कैमरों से सतत निगरानी करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर/उझानी श्री शक्ति सिंह तथा अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें ।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी ठोकर महिला की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -रिंकू जायसवाल

श्रावस्ती-श्रावस्ती के भिनगा मुख्यालय दहाना तिराहा के पास मोज राम अपनी पत्नी शेष कुमारी को बाइक पर बैठा कर लक्ष्मण पुर बाजार से वापस लक्ष्मन नगर लौट रहा था तभी तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को जोरदार ठोकर मार दी जिससे महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से गंभीर रूप से घायल महिला को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया साथ ही महिला के शव को पी एम के लिए भेज दिया।

छात्राओं को मारी थी कार चालक ने टक्कर आरोपी युवक के पिता बोले बेटे को झूठे व रंजिशन मुकदमे में फसाने का पुलिस ने रचा षड्यंत्र डीआईजी से लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

मुरादाबाद सिविल लाइंस थाना क्षेत्र रामगंगा विहार में छात्राओं को कार के द्वारा टक्कर मार जाने के मामले में नवीन नगर के

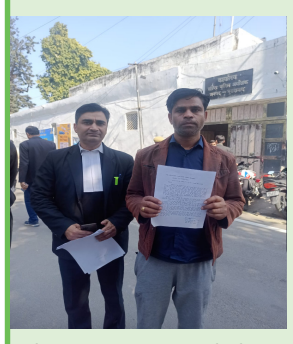

रहने वाले एक युवक को जेल भेजे जाने के मामले में आरोपी युवक के पिता दौलत सिंह ने डीआईजी कार्यालय और एसएसपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र देते हुए इस मामले में निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग उठाई है। युवक के पिता के द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में अपने बेटे को झूठे व रंजिशन मुकदमे में फसाये जाने का आरोप लगाते हुए। डीआईजी कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर इस मामले में निष्पक्ष विवेचना की मांग उठाई गई है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के नवीन नगर के रहने वाले दौलत सिंह ने डीआईजी कार्यालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि प्रार्थी के पुत्र को अभियोग में झूठा व रंजिशन फंसाया गया है।प्रार्थी को निष्पक्ष विवेचना का संवैधानिक एवं न्यायिक दोनों अधिकार प्राप्त है। जिस आधार पर प्रार्थी निम्न तथ्यों पर विवेचना निष्पादित कराना चाहता है। जिससे कि न्यायालय के समक्ष सम्पूर्ण सत्य आ सके। आरोप है कि दुर्घटना के बाद जब सभी लड़कियां जिनको चोट आना बताया जाता है, बे अस्पताल में भर्ती थी तथा बोलने की स्थिति में नहीं थी। तब वादी मुकदमा को छेड़छाड़ एवं जान से मारने की नियत से गाड़ी चलाने की सूचना किस माध्यम से प्राप्त हुई। पीड़ित पक्ष बोला कि इस प्रश्न पर विवेचना कराया जाना आवश्यक है। पुलिस द्वारा घटना स्थल के पास लगे सिटी सीसीटीवी कैमरो की जांच इस संबंध में करायी जानी आवश्यक है प्रार्थी द्वारा लडकियों के पास जाकर दुर्घटना से पहले क्या कोई छेड़छाड़ या अपशब्द बोले गये। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के अपराध के संबंध में धारा-291, 125 बी0एन0एस0 स्पष्ट रूप से प्रावधान करती है तो किन कारणों से बिना उचित जांच करे ,धारा 109 बी0एन0एस0 में एफ0आई0आर0 पंजीकृत कर प्रार्थी को जेल भेजा गया। उपरोक्त लिखित तथ्यों के आधार पर उचित कार्यवाही करने की कुपा करें। आगे जानकारी देते हुए एडवोकेट अभिषेक शर्मा ने बताया

बसपा सुप्रीमो मायावती का बड़ा एक्शन, आकाश आनंद के ससुर को पार्टी से निकाला

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ व मेरठ के नितिन सिंह को

गुटबाजी और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण निष्कासित कर दिया।बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुटबाजी और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप में आकाश आनंद के ससुर डॉ. अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।राज्यसभा के पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ की बेटी से आकाश आनंद की शादी हुई है। डॉ. अशोक सिद्धार्थ के पिता बसपा संस्थापक कांशीराम के सहयोगी रहे हैं। सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने कहा कि बसपा की ओर से खासकर दक्षिणी राज्यों के प्रभारी रहे डॉ. अशोक सिद्धार्थ पूर्व सांसद व नितिन सिंह जिला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है।मायावती के इस निर्णय को दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी नेताओं को सख्त संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बसपा ने जहां पर भी प्रत्याशी खड़े किये थे वहां पर जमानत जब्त हो गई। डॉ. अशोक सिद्धार्थ मायावती के काफी नजदीकी माने जाते थे और उनके पास पार्टी की कई बड़ी जिम्मेदारियां थीं।

ट्रक की टक्कर से हेड कांस्टेबल की मौत, सिपाही की हालत घायल, जीरो प्वाइंट के पास हादसा

कटघर थाना क्षेत्र में दलपतपुर जीरो प्वाइंट के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार हेड कांस्टेबल राजकुमार की मौत जबकि सिपाही सिपाही मनोज कुमार घायल हो गया।

दोनों पुलिस कर्मी शब ए बरात की जायजा लेने के बाद थे।एसपी सिटी कुमार रफातपुर गांव में बताया कि हेड तैयारियों का कांस्टेबल राजकुमार (40) बरेली जनपद के फरीदनगर थाना थाने लौट रहे क्षेत्र के ददरूआ गांव निवासी थे। राज कुमार 2011 यूपी पुलिस में रणविजय सिंह ने सिपाही पद पर तैनात हुए थे। पिछले दो साल से उनकी तैनाती कटघर थाने की काशीपुर तिराहा चौकी पर चल रही थी।बुधवार सुबह राज कुमार अपने साथी सिपाही मनोज कुमार को बाइक से लेकर रफातपुर गांव में शब ए बरात की तैयारियों का जायजा लेने गए थे। बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे दोनों बाइक से थाने लौट रहे थे। कटघर क्षेत्र में दलपतपुर जीरो प्वाइंट के पास पाकबड़ा से रामपुर की ओर जा रहे ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों पुलिस कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रक चालक कुछ ही दूरी पर ट्रक खड़ा करने के बाद भाग गया। हादसे की जानकारी मिलने पर काशीपुर तिराहा पुलिस चौकी और थाने से पुलिस कर्मी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद घायलों को टीएमयू अस्पताल भिजवा दिया गया। जहां चिकित्सकों ने राजकुमार को मृत घोषित कर दिया जबकि घायल मनोज को भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया गया है। मनोज कुमार उत्तराखंड के हरिद्वार जनपद के लक्सर थाना क्षेत्र के सिमली निवासी हैं। हादसे में जान गंवाने वाले राज कुमार के परिवार में पत्नी सुनीता, दो बेटे और एक बेटी है।

परिजनों के साथ दफनाया गया सेना के जवान का शव, राजकीय सम्मान के साथ दी विदाई, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

सड़क हादसे में मृत हुए मटेरा निवासी सेना के जवान अबरार को बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।सड़क हादसे में मृत हुए मटेरा निवासी सेना के जवान अबरार को बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंतिम यात्रा में राजपूताना रेजिमेंट के अधिकारी शामिल हुए। देकर सेना के जवान और किया गया। इस दौरान मौजूद रहे।मटेरा थाना निवासी अबरार सेना में उदयपुर में तैनात थे। हजरत (60) और बेटी के लिए कार से कमांड इस दौरान कैसरगंज में डंपर ने टक्कर मार दी के साथ-साथ उनके हानिया, मां फातिमा की मौत हो गई थी। वहीं

जवान समेत जिले के आला इस दौरान गार्ड ऑफ ऑनर उनके परिजनों को दफन हजारों की संख्या में लोग क्षेत्र के मटेरा चौराहा जवान थे और राजस्थान के मंगलवार की सुबह गुलाम हानिया (20 दिन) के इलाज हॉस्पिटल लखनऊ जा रहे थे। कोतवाली क्षेत्र में उनकी कार थी। हादसे में फौजी अबरार पिता गुलाम हजरत, बेटी बेगम (56) और दोस्त चांद पत्नी रुकैया बेगम (22) गंभीर रूप से घायल हो गई, जिनका इलाज जारी है।फौजी अबरार की मौत के बाद मंगलवार की रात पोस्टमार्टम के बाद उनका और उनके परिजनों का शव मटेरा पहुंचा तो पूरे कस्बे में कोहराम मच गया।बुधवार की सुबह जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रिटायर्ड कर्नल महेंद्र चंद्र ध्यानी, एसडीएम अंजनी यादव, सीओ प्रद्युम्न सिंह मृतक फौजी के घर मटेरा पहुंचे। वहीं फैजाबाद राजपूत रेजिमेंट के जवानो की टीम पहुंची। इस दौरान ट्रक सजा कर फौजी की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की भीड़ उमड़ी।जवानों ने मृतक फौजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया और जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।जवान के शव के साथ-साथ उनके परिजनों के शव भी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किए गए।

ग्राम पंचायत सत्रही में नाबालिक बच्चों से कराया जा रहा मनरेगा का कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार

श्रावस्ती। श्रावस्ती ग्राम पंचायत सत्रही में मुरली तालाब का कार्य ग्राम पंचायत से में कराया जा रहा है।जिसमें नाबालिक बच्चों से कार्य कराया जा रहा है । मनरेगा में ग्राम प्रधान के मनरेगा मुंशी टंकी पुत्र राजाराम ने पूछा गया की नाबालिग बच्चों से काम क्यों करवा रहे हो तो उन्होंने अशब्द का प्रयोग करते हुए धमकी दे डाली। जबकि ग्राम पंचायत मे प्रधान द्वारा चक मार्ग को मिट्टी से पटवाने की जगह प्रधान ने ट्रैक्टर रोटावेटर से जोता कर बराबर करा दिया है । मनरेगा के तहत कार्य कर रहे मजदूर की जॉब कार्ड भी नहीं बना हुआ है फिर भी मनमानी कर रहे ग्राम प्रधान मनरेगा के तहत लाखों रुपए निकाल कर माला माल हो? रहे है। तथा सरकारी कार्य योजनाओं पर पानी फेर ते हुए नजर आ रहे हैं ऐसे में ग्राम विकास अधिकारी से दूरभाष से संपर्क किया गया तो उनकी मोबाइल स्विच ऑफ बताया तब कोई जानकारी नहीं मिली तब ग्राम प्रधान से दूरभाष से संपर्क किया गया तो पूछने पर सही जानकारी न देते हुए घुमा फिरा कर बात करने लगे । ग्रामीणों ने इस मामले को उच्च अधिकारियों से जांच करवा कर उचित कार्यवाही की मांग की है इस सम्बन्ध में प्रदीप कुमार वर्मा, लवकुश, अंकित कुमार आदि ग्रामीणों ने बताया की ग्राम प्रधान कन्हैया लाल ग्रामीणों को धमका भी रहे है।

62वीं वाहिनी एस.एस.बी ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीणों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के दिशा-निर्देशन में %एफ% समवाय गुज्जरगोरी के कार्यक्षेत्र के ग्राम बिशम्बरपुर में सहायक उप निरीक्षक ठाकरा राम के द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया वाहिनी के द्वारा नशे के खिलाफ कराये जा रहे इस प्रकार के जागरूकता अभियान का उद्देश्य समाज में स्वस्थ और जागरूक पीढ़ी का निर्माण करना है । सहायक उप निरीक्षक ठाकरा राम ने सभी ग्रामीणों से अपील की कि वे नशे का सेवन न करें और अपने बच्चों को भी नशे से दूर रखें । उन्होंने बताया कि नशे का सेवन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बिगाड़ने के साथ-साथ अनावश्यक खर्च भी करता है, जो परिवार की समृद्धि के लिए हानिकारक है । इस कार्यक्रम में समस्त ग्रामवासियों को नशा करने से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें जागरूक किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इस अभियान को समर्थन दिया और नशे से दूर रहने की शपथ ली ।इस दौरान सहायक उप निरीक्षक ठाकरा राम के साथ 5 अन्य जवान व ग्रामीण उपस्थित रहे 7

वी वी इंटर कॉलेज का साथ आदिवासी है विशेष सिविल सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कंपोजिट विद्यालय सिम्भालका में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई वी वी इंटर कॉलेज शामली का सात दिवसीय विशेष शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हो गया। शिविर के अंतिम दिन आज जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार डॉ अनुराग शर्मा, जिला महामंत्री भाजपा पुनीत दीप पज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का शिविर की विस्तृत रिपोर्ट और प्रत्येक दिन को जिलाधिकारी के समक्ष रखा।इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियो के मार्गदर्शन से शिविर का व्यापक प्रचार प्रसार हुआ। कार्यक्रम में छात्र-कुमार चौहान ने कहा कि राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियां उन्होंने कहा कि पर्यावरण स्वच्छता शिक्षा समाज में जागरूकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। समयानुसार विभिन्न रूपों में सामाजिक जिम्मेदारी लिए, व्यक्तित्व विकास करना राष्ट्रीय सेवा योजना चैलेंज आते जाते रहेंगे। लेकिन उन चैलेंज को किस ही राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य है। उन्होंने शिविर में प्रतिभाग करने वाली छात्र- छात्राओं से कहा कि जीवन में सदैव बड़े सपने देखें। और उन सपनों को पूरा करने के लिए जी तोड़ मेहनत करें। क्योंकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा कैंप में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को भी पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेविकाओ के रूप में तरन्नुम,शालू, एवं योगी गोरी रहे।वहीं सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक के रूप में प्रिंस, बादल,और अमन रहे।कार्यक्रम के अंत में अमरपाल सिंह के द्वारा सभी अतिथियों, का आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर आशा जांगिड़ रेशमा अंसारी संदीप सुनील अनु दीपक सहित स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं और गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

शामली पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव रथ यात्रा बड़े धूमधाम के साथ निकाली गई

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली शामली धर्म नगरी में आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य में पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कमेटी द्वारा पंचकल्याणक महोत्सव शोभा यात्रा बड़े धूमधाम के साथ निकाली गई महोत्सव के सौभाग्यशाली पात्र बने भगवान के माता-पिता आलोक जैन श्रीमती मनीषा जैन सोधमॅ इंद्र बने श्री आशीष जैन श्रीमती रेखा जैन कुबेर बने श्री संजय जैन श्रीमती अदिति जैन यज्ञनायक बने श्री राजीव जैन दीप जैन महोत्सव के सौभाग्यशाली ईशान इंद्र बने श्री कमल जैन श्रीमती अंजू जैन सानत इंद्र बने राजीव जैन श्रीमती बरखा जैन महेंद्र इंद्र श्रीमती आशीष जैन श्रीमती वैशाली जैन जिसमें बाहर से आए बैंड बाजे सुंदर-सुंदर झांकियां हेलीकॉप्टर द्वारा सुबह से जब तक शोभायात्रा चली जब तक हेलीकॉप्टर द्वारा लगातार निरंतर पुष्प वर्षा शामली धर्मानगर रथ यात्रा पर चलती रही एवं श्री पालकी की यात्रा एवं भजन कीर्तन करते हुए वी वी इंटर कॉलेज से शुरू होकर हनुमान रोड कबाड़ी बाजार बड़ा बाजार गांधी चौक शिव चौक रेलवे रोड महावीर मार्ग मिल रोड हनुमान रोड को होते हुए वेस्ट कॉलेज पर पहुंची इस कार्यक्रम में मौजूद रहे अध्यक्ष मयंक जैन महामंत्री वैभव जैन मुख्य संयोजक प्रवीण जैन ललित जैन रवि जैन मोहित जैन पंकज जैन मनोज जैन अक्षत जैन नीरू जैन प्रतिष्ठाचार्य हंसमुख राय शोभा यात्रा के आयोजक श्री पार्श्वनाथ जैन ट्रस्ट शामली के सदस्य अमर जैन राजेंद्र जैन कोषाध्यक्ष दीपक जैन ललित जैन आदि अन्य जैन समाज समाज के श्रद्धालु यात्रा में जिला संवाददाता राकेश गुप्ता शामिल रहे

रुई फैक्टरी में आग से 70 लाख का नुकसान, ढाई घंटे में तीन दमकल वाहनों ने बुझाई आग

रुई फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग से 70 लाख का नुकसान हो गया। फैक्टरी पिछले तीन दिन से बंद थी। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।संडीला औद्योगिक क्षेत्र के फेज-2 में बुधवार सुबह एक रुई फैक्टरी में आग लग गई। तकरीबन ढाई घंटे की मशक्कत के बाद तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई गई है। फैक्टरी के निदेशक ने लगभग 70 लाख के नुकसान होने की बात कही है।लखनऊ के घंटाघर के पास रहने वाले मोहन कुमार की रुई फैक्टरी संडीला औद्योगिक क्षेत्र के फेज-2 में है। उनकी फैक्टरी का नाम वीरता है। बुधवार सुबह लगभग 10 बजे पिछले तीन दिन से बंद फैक्टरी में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण मौके पर खलबली मच गई। फैक्टरी से धुआं और आग का गुबार देखकर यहां तैनात चौकीदार ने अग्निशमन विभाग को फोन करने के साथ ही फैक्टरी के निदेशक राकेश केवलानी को सूचना दी। जानकारी पर राकेश मौके पर पहुंचे और कुछ ही देर में अग्निशमन विभाग के कर्मचारी व अधिकारी भी पहुंच गए। लगभग एक बजे आग पर काबू पाया जा सका।आग बुझाने के लिए संडीला अग्निशमन केंद्र से एक दमकल वाहन भेजा गया, लेकिन इससे स्थिति नियंत्रण में नहीं आई तो हरदोई और बेनीगंज से भी एक-एक दमकल वाहन मौके पर भेजा गया। फैक्टरी के निदेशक राकेश किरलानी के मुताबिक लगभग 70 लाख का नुकसान हुआ है। रुई और रुई बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री जल गई है। उन्होंने शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई है। अग्निशमन केंद्र संडीला के प्रभारी ओपी श्रीवास्तव ने बताया कि फैक्टरी में अग्निरोधी यंत्र लगे थे, लेकिन यह चालू हालत में थे या नहीं इसकी जांच की जा रही है। कछौना कोतवाल विनोद कुमार ने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात सामने आई है।

संक्षिप्त समाचार

एस एस बी द्वारा अंडनपुरवा गांव में पशु चिकित्सा कार्यक्रम (वीसीए) आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेन्द्र तिवारी

59 वीं वाहिनी, नानपारा के लौकही एस एस बी कैंप द्वारा, अंडनपुरवा गांव में एक पशु चिकित्सा कार्यक्रम (वीसीए) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्राक मुख्यालय लखीमपुर खीरी की उप कमांडेंट (पशु चिकित्सक) डॉ. पूजा फर्स्वान द्वारा की गयी। कार्यक्रम के दौरान अंडनपुरवा एवं परसौना गांव के कुल 64 लाभार्थियों को सहायता प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 208 जानवरों - जिनमें गाय, भैंस और बकरी शामिल हैं - का इलाज किया गया। पशुओं को जूँ संक्रमण, उपज में कमी और भूख न लगने जैसी सामान्य बीमारियों के समाधान के लिए दवाएँ प्रदान की गईं। रुपये 9,053 की दवा लाभार्थियों को निःशुल्क वितरित की गयी। इस कार्यक्रम का सफल संचालन श्री कैलाश चंद रमोला, कमांडेंट, और लौकाही एस एस बी कैंप के समवाय कमांडर पलाश लूथरा, सहायक कमांडेंट, के समर्पित प्रयासों से संभव हो सका। ऐसी पहलों का सीमावर्ती गांवों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। वे न केवल पशुधन के स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार करते हैं बल्कि स्थानीय समुदायों की समग्र आजीविका में भी वृद्धि करते हैं। एसएसबी उन कार्यक्रमों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है जो सीमावर्ती क्षेत्रों में लोगों और जानवरों की भलाई को बढ़ावा देते हैं।

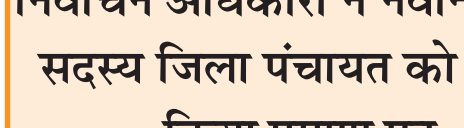

निर्वाचन अधिकारी ने नवनिर्वाचित सदस्य जिला पंचायत को प्रदान किया प्रमाण पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0 द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन फरवरी, 2025 के अन्तर्गत जनपद श्रावस्ती के सदस्य जिला पंचायत के वैधानिक रूप से रिक्त स्थान पद पर निर्वाचन सम्पन्न कराया गया। जिसके तहत आज निर्वाचन अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने रमन सिंह निवासी ग्राम रेहली विशुनपुर को सदस्य जिला पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र संख्या-05 सिरसिया पंचम एवं हरिहरपुर रानी प्रथम से सदस्य जिला पंचायत पद हेतु निर्विरोध निर्वाचित होने पर कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष संख्या-43 में प्रमाण पत्र प्रदान किया।

सदन में श्रावस्ती सांसद ने मेडिकल कॉलेज बनाने की किया मांग

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती- श्रावस्ती लोकसभा 58 के सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने सदन में जनपद श्रावस्ती में मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग की आवाज उठाई और सदन में प्रस्ताव रखा कि जनपद श्रावस्ती पिछड़ा होने के कारण वहां पर मेडिकल कॉलेज की आवश्यकता है जिस पर सरकार को विचार करना चाहिए और जनपद श्रावस्ती में जनहित में जनता को ध्यान में रखते हुए मेडिकल कॉलेज बनवाने का कार्य करना चाहिए इसी बात को लेकर संसद ने सदन मे हुंकार भरी है यह सुनकर जनपद श्रावस्ती लोकसभा 58 में खुशी की लहर दौड़ गई उक्त जानकारी जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी श्रावस्ती ने कहा कि सांसद की माग सरकार द्वारा को जनहित में मंजूरी दे देना चाहिए । जिससे जनता को सुविधा दवा के लिए मिले और दूर जाना ना पड़े।

Before dating, you must know these 8 Personalities of men, you will not regret later in love life

Many people resort to dating to meet new people and know them, but being hasty in this can be harmful for you. It is especially important for women (Dating Advice) that they know about the 8 personalities of men (Male Personalities) before dating so that they do not regret anything later. Before dating, women should know about the 8 personalities of men. Dating without understanding men can lead to fights over small things. By knowing about the 8 personalities of men, you can make your love life easier. Dating is an important role in everyone's life. Whether you are starting a new relationship or have been associated with someone for a long time, it is very important to know what kind of personality your partner has. Understanding the personalities of men is also important because it can leave a deep impact on your love life. Today we will tell you about 8 personalities of men, knowing which you will be able to understand your relationship better (Understanding Men) and avoid any kind of regret in the future. Alpha Male Alpha male is a person who makes his presence felt in every group. He is confident, full of leadership ability and dominant. Alpha male is often considered successful, powerful and influential. He sets big goals in his career and life and works hard to achieve them. However, being in a relationship with an alpha male is not easy as he often insists on getting his point across and can ignore the feelings of others. If your partner is an alpha male, then you have to maintain a balance with him. Beta Male Beta male is a person who is the opposite of an alpha male. He is calm, sensitive and considerate of the feelings of others. Beta Male is often considered a good friend and a good partner because he is ready to compromise in the relationship. However, Beta Male may lack confidence and often depends on the decisions of others. If your partner is a Beta Male, you will have to help him increase his confidence. Gamma Male- Gamma Male is a person who is between Alpha and Beta Male. He is confident but does not have the dominance of Alpha Male. Gamma Male is often considered creative and intelligent. He is emotionally involved in the relationship and tries to understand the feelings of his partner. However, Gamma Male may sometimes have difficulty in making his identity because he is not as influential as Alpha Male. Delta Male Delta Male is a person who struggles to make his place in society. He is often under the influence of Alpha Male and tries to be like him. Delta Male is often considered hardworking and honest, but may lack confidence. He is loyal in the relationship but can sometimes underestimate himself due to his shortcomings. If your partner is a Delta Male, you will have to help boost his confidence. Sigma Male-Sigma Male is a person who walks away from the rules of society. He likes to be alone and does not care about the opinions of others. Sigma Male is often considered mysterious and charming. He values ????freedom in the relationship and wants to give the same freedom to his partner. However, being in a relationship with Sigma Male can be challenging as he is often lost in his own world. Zeta Male-Zeta Male is a person who breaks the rules of society and walks his own path. He is often indifferent to society and does not care about the opinions of others. Zeta Male is often considered rebellious and free-thinking. He also values ????his freedom in the relationship and wants to give the same freedom to his partner. However, being in a relationship with Zeta Male can be difficult as he often does not follow the rules of society. Omega Male-Omega Male is a person who is at the bottom of the society. He often likes to be alone and does not care about the opinions of others. Omega Male is often considered antisocial and aloof. He likes to be alone even in a relationship and wants to give the same freedom to his partner. However, being in a relationship with Omega Male can be difficult as he is often lost in his own world. Theta Male-Theta Male is a person who breaks the rules of society and walks his own path. He is often indifferent to society and does not care about the opinions of others. Theta Male is often considered rebellious and free-thinking. He values ??his freedom even in a relationship and wants to give the same freedom to his partner. However, being in a relationship with Theta Male can be difficult as he often does not follow the rules of society.

If you are also fond of food, then definitely experience these 5 unique food festivals of the world

Food lovers must experience the food festivals organized in different parts of the world. People come from far and wide to participate in these food festivals. In this article, we are going to tell you about 5 such food festivals, after hearing about which you will definitely feel like going there once. Food festivals are organized in many countries around the world. These festivals are related to the culture of that place. People come from far and wide to participate in them. Food festivals can be a unique experience for food lovers around the world. These food festivals also reflect the unity of local culture, traditions and community. Let us know about some famous and unique food festivals of the world, which are known for their specialty and exciting activities. Cheese Rolling Festival, England- This unique festival is held every year on the occasion of Spring Bank Holiday in May at Coober Hill in Gloucestershire. In this festival, participants roll a wheel of double Gloucester cheese down a hill. Participants run behind this rolling cheese wheel and try to catch it. The person who catches the wheel of cheese can keep it with him. This festival is not only fun, but participants also experience an adrenalin rush.The Battle of Oranges, Italy- This festival held every year in the Italian city of Ivrea is famous for the battle of oranges. This festival is linked to the medieval tradition, where teams of nine people throw oranges at each other. This battle commemorates the freedom and rebellion of the city. Thousands of people participate in this festival and it is one of the most colorful and enthusiastic events in Italy.World Pea Shooting Championship, England- This unique festival is held every year in June in Staffordshire, England. In this, participants shoot pea balls through a straw. This competition is full of laughter and fun and people from all over the world participate in it. This festival is not only celebrated for entertainment, but it also promotes local culture and tradition.Chinchilla Melon Festival, Australia- This festival held every year in February in Queensland, Australia is celebrated with watermelons. This festival includes watermelon eating competition, watermelon throwing competition and other watermelon related activities. This festival is a big attraction for the local farmers and the community and people coming here enjoy fresh and sweet watermelons.La Merengada, Spain This festival held every March in the city of Barcelona, ??Spain is dedicated to merengue (a type of dessert). In this festival, there are competitions to make different types of merengue and people taste them. This festival is no less than a paradise for dessert lovers and people coming here enjoy different varieties of merengue.

How right or wrong is it to have an affair with the consent of the partner, experts tell the advantages and disadvantages of Open Marriage

Open marriage is becoming popular these days. After foreign countries, now many couples in India are also liking this relationship trend. Currently, many couples are following it. However, it has some advantages and some disadvantages. Senior psychologist Monica Sharma is telling about the advantages and disadvantages of open marriage. Whatever the relationship, it is very difficult to maintain them. These days many trends related to relationships have started coming into trend. Open marriage is one of these, which has some advantages and some disadvantages. These days the meaning of relationships is changing rapidly. Lack of time and rapidly changing preferences are now affecting not only people's lives, but also their relationships. We all spend our lives in a society and to live in this society, we keep ourselves tied with many relationships and bonds. Marriage is one such relationship, which is generally considered a relationship of many births. However, with changing times, this relationship of marriage has also started changing. On one hand, while divorce cases are increasing rapidly these days, on the other hand, the meaning and form of marriage is also changing. These days, many trends related to relationships are becoming popular, which have changed the meaning of relationships. Open marriage (Open Marriage Drawbacks) is one of these, which is now becoming increasingly popular in India. Let us know from senior psychologist Monica Sharma what is open marriage (expert opinion on open marriage) and its advantages and disadvantages: What is open marriage? Open marriage (open marriage concept) is a new trend of the new times, which after foreign countries has now started becoming popular in India as well. This is a new way of having an extra marital affair while being married, which is becoming the choice of many couples these days. This is such a marriage, in which the husband or wife can make a relationship with someone other than their marriage with the consent of their partner. In this type of marriage, people can have romantic and/or sexual relationships with other people along with their partner. Benefits of open marriage Open marriage gives you a chance to find out whether you are made for your relationship or not. Whether you can spend your life in monogamy or not. Many times people feel imprisoned after marriage, due to which they feel sexually frustrated and lack emotional connectivity. In such a situation, open marriage helps you assess whether you are happy in a relationship or more satisfied with the other partner. According to a 2020 study published in Social Psychological and Personality Science, couples involved in open marriages were as emotionally happy as people who were in monogamy i.e. maintaining the same relationship. Not only this, people involved in open marriages often experienced more sexual satisfaction in it. For people whose partners are not fulfilling their sexual needs or are not willing to explore their sexuality and allow them to have a relationship elsewhere, an open relationship can be beneficial for both of you. Being in an open relationship requires a lot of trust and communication with your primary partner (the one you are married to). This is especially important in the beginning.

Rekha's acting career was in danger, she made a strong comeback with this Rakesh Roshan movie

Bollywood's veteran actress Rekha needs no introduction today. The actress was considered a superstar of her time and even today she keeps making headlines with her acting. The actress has worked in many great films in her career. But there was a time in her life when her films were not doing well. Rekha is considered a superstar of the 90s. She won the hearts of the audience with her fashion and dance - this film made her career shine. Who doesn't know Rekha, who is counted among the most beautiful, talented and veteran actresses of Bollywood. Rekha is a big name in the industry but the path to films was not always easy for her. You must be aware of many of her hit films, but very few people would know about the flop movies of the actress' career. Today she may not be that active in films, but there was a time when the big directors of the industry wanted to cast Rekha in their films. Today we are going to tell you about that film of the actress and the director who offered her a film amidst her continuously flopping movies which became a superhit as soon as it was released. Broke records at the box office- This film which came in the year 1988 broke many big records at the box office as soon as it was released. It became the fifth highest grossing film of that time which worked to bring Rekha's sinking career back on track. Many of you must have heard about this film before. The name of this picture was 'Khoon Bhari Maang'. This action thriller film got tremendous love from the audience. Apart from Rekha, Kabir Bedi, Sonu Walia, Kader Khan, Shatrughan Sinha and Satyajit Puri were also seen in the film. The film was directed by Rakesh Roshan. What was the story of the film?- The story of Khoon Bhari Maang was written by Mohan Kaul and Ravi Kapoor. The story of this film revolves around a widow woman who marries a second time for her children, whose name is Sanjay Verma. This marriage takes a dangerous turn in her life when her own husband pushes her into crocodile-infested water. Sanjay Verma has always had his eyes on Aarti's wealth. The twist in the story comes when she survives this accident and returns to take revenge on her greedy husband. People still remember Rekha's character in the film. She designed her own clothes - One special thing about this film is that the actress shot this movie in her own clothes. The director of the film once revealed that she agreed to do this film as soon as she heard the story. She designed the clothes for the film herself. The budget of this film was just 1.5 crores, but it collected 6 crores as soon as it was released.

'Dragon' takes over OTT before theaters, when and where will the film stream?

The dominance of South films is clearly seen at the box office. For some time now, the craze of South movies has increased a lot among the public. In this episode, another fun film is ready to be released, whose name is Dragon. The makers have also released the trailer of the film. Let us tell you on which OTT platform it is going to stream. Makers released the trailer of Dragon Pradeep's film will knock on this OTT - the story is based on love and career

Pradeep Ranganathan's film 'Love Today' entertained the audience a lot. It was a romantic comedy film. In this, along with Pradeep, Ivana also played the lead role. After the success of the film, the actor has returned to entertain the fans with a new movie. In this film, the actor is going to be seen in such a role which you have not seen before. The name of this film is Dragon, which was being discussed for a long time. Let's take a look at its trailer and also know on which OTT platform the makers will release it. How is the trailer of Dragon? - The trailer starts with the character of Pradeep Ranganathan who is involved in every fight in his college. Leaving studies, his focus is only on fighting and he has to struggle to pass a paper. Despite failing continuously, his parents give him a lot of love and support. At the same time, Raghavan believes that this wild nature of his is absolutely right. During this time, a girl enters his life, after which he feels that he can become a good partner. But the twist in the story comes when he realizes that he cannot become a good life partner. This is what inspires him to change his ways. Will Love Story stream on this OTT? - With the release of the film, the discussion of OTT streaming has also intensified. According to a news from India Today, Dragon is going to be released on Netflix. Dragon is one of the most awaited films of this year, which fans have been waiting for a long time. Netflix Slate recently shared a poster of the movie and wrote, 'When desperation meets deception, the dragon takes flight! Dragon, after theatrical release, is coming to Netflix in Tamil, Telugu, Malayalam and Kannada!' However, the makers have not made any official announcement yet. Ashwath Marimuthu is directing the film - 'Dragon' is being directed by Ashwath Marimuthu. He is also the writer of this film. He has previously directed the film 'Oh My Kadavule', released on the occasion of Valentine's Day in the year 2020. The film is being produced by Kalpathi S. Aghoram, Kalpathi S. Ganesh and Kalpathi S. Suresh under the banner of AGS Entertainment. The music of the film has been taken over by Leon James. 'Dragon' is the 26th film of AGS. Let us tell you that even before this, AGS Entertainment had produced Pradeep's film 'Love Today'.

Along with Ranveer Allahbadia, will legal action be taken against Elvish Yadav as well? FWICE demanded this reason

Ranveer Allahabadia's own joke has now proved costly for him. Due to the comments made on the intimate life of parents, the social media influencer and YouTuber is now seen getting into legal trouble along with trolls. Recently, the Film Federation has demanded strict action against him as well as Elvish Yadav. Elvish Yadav got into trouble along with Ranveer Allahabadia Federation demanded legal action against both of them- Demand has been made to take strict action against Elvish Yadav as well Famous YouTuber Ranveer Allahabadia's stars are in trouble at the moment. A joke made by him on the intimacy of parents in India's Got Latent is proving costly for him. Not only fans, but big stars and political leaders are also criticizing him. Singer B-Prak has even cancelled his plan to go to his podcast. Not only this, the police reached Ranveer Allahabadia's house. Due to his thoughtless joke on the show, an FIR was also registered against him in Guwahati. However, along with him, social media influencer and Bigg Boss OTT 2 winner Elvish Yadav has also come under the scanner, the Federation of Western Cine India Employees has demanded action against him as well. Read full details below about what Elvish Yadav got into trouble along with Ranveer: Due to this, demand for action against Elvish along with Ranveer arose- According to a news of Times of India, the Federation of Western Cine India Employees (FWICE) has issued a statement strongly condemning the remarks made by Ranveer Allahabadia and Elvish Yadav. Association President BN Tiwari expressed his concern over the incident and told what kind of influence these creators are leaving on social media. "We strongly condemn the comments of Elvish Yadav and Ranveer Allahabadia. These people leave a deep impact on social media platforms, as people appreciate their work by viewing and subscribing in millions. Such irresponsible and disrespectful comments are not acceptable. We demand legal action against those who hurt the feelings of others with a comment". It is wrong to hurt someone's dignity - FWICE President said that there is a need for a respectful conduct and accountability in the entertainment world. He says that any comment on the dignity of any person or their race is completely unacceptable. This is not just an insult to someone else, but also an insult to the viewers and fans who are following him. Let us tell you that Elvish Yadav had called the name of Chum Darang obscene in his Youtube show 'Foodcast with Elvish'. On his racist comment, the finalist of Bigg Boss 18 shared a post on Instagram and slammed the influencer.